

वकालत का पेशा प्रतिबद्धता व विचारों की स्पष्टता पर आधारित

मप्र राज्य न्यायिक अकादमी के सम्मेलन में बोले - सुको जस्टिस जेके माहेश्वरी

जबलपुर, 15 नवंबर. वकालत एक ऐसा पेशा है जो प्रतिबद्धताएं नैयारी, विचारों की स्पष्टता और कानून के शासन के प्रति सम्मान पर आधारित है. बार और बेंच, न्याय रथ के दो पहिए हैं, जिनके बीच तालमेल अपरिहार्य है. ऐसा इसलिए क्योंकि एक के बिना दूसरा अधूरा है. विचार सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस जेके माहेश्वरी ने रखे. जस्टिस माहेश्वरी शनिवार को आईआईआईटीएम सभागार में वकालत व व्यावसायिक दक्षता, उत्कृष्टता की खोज विषय पर आयोजित सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि की आसदी से बोल रहे थे. इस दौरान सुप्रीम कोर्ट के



जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा, जस्टिस आलोक अराधे, दिल्ली उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश व आम फोर्स ट्रिब्यूनल के चेयरमैन जस्टिस राजेंद्र मेनन, मप्र उच्च न्यायालय के चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा, प्रशासनिक न्यायाधीश विवेक रूसिया के अलावा दिल्ली

हाईकोर्ट के जस्टिस पुरुषेंद्र कौरव सहित अन्य उपस्थित थे. एक कदम से शुरू होती है हजार मील की यात्रा: इस अवसर पर जस्टिस जेके माहेश्वरी ने पेशेवर नैतिकता और क्षमता से जुड़े बढ़ते सवालों पर चिंता व्यक्त करते हुए अधिवक्ता संघ से उच्च नैतिक मानकों को बनाए रखने के लिए सक्रिय कदम उठाने का आग्रह किया. उन्होंने प्रख्यात दार्शनिक लाओत्सु का हवाला देते हुए कहा कि हजार मील की यात्रा एक कदम से शुरू होती है और इस सम्मेलन के माध्यम से यह महत्वपूर्ण पहला कदम उठाने में मप्र राज्य न्यायिक अकादमी की पहल सराहनीय है.

अधिवक्ता न्याय व्यवस्था का आधारभूत स्तंभ: जस्टिस आराधे

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस आलोक अराधे ने विधिक पेशे की उत्कृष्ट परंपरा पर प्रकाश डालते हुए अधिवक्ताओं को न्याय व्यवस्था का एक आधारभूत स्तंभ, अनुनय-विनय में पारंगत और परिशुद्धता में पारंगत बताया. उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि व्यावसायिक दक्षता केवल एक तकनीकी आवश्यकता नहीं है, बल्कि ईमानदारी, अध्ययन और चिंतन पर आधारित एक आजीवन नैतिक और बौद्धिक प्रयास है. उद्घाटन के बाद तकनीकी सत्रों में न्यायाधीशों ने किया संबोधित उद्घाटन सत्र के दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायाधीशों द्वारा तकनीकी सत्र में दिल्ली हाईकोर्ट जस्टिस मनोज कुमार ओहरी, जस्टिस पुरुषेंद्र कुमार कौरव, जस्टिस, दिल्ली हाईकोर्ट की पूर्व जस्टिस मुक्ता गुप्ता, जस्टिस कामेश्वर राव, जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद, पूर्व जस्टिस रेखा पल्ली, जस्टिस नवीन चावला, जस्टिस जसमीत सिंह, न्यायमूर्ति अमित बंसल पैनालिट्ट के रूप में शामिल हुए. दिन का समापन एक चिंतन सत्र के साथ हुआ. सत्र के मुख्य अतिथि हाईकोर्ट के चीफ संजीव सचदेवा थे. प्रशासनिक न्यायाधीश विवेक रूसिया और जस्टिस विवेक अग्रवाल ने भी विचार प्रस्तुत किए. हाईकोर्ट बार के अध्यक्ष धन्य कुमार जैन, हाईकोर्ट एडवोकेट्स बार के अध्यक्ष संजय अग्रवाल, सीनियर एडवोकेट्स काउंसिल के माहसविह आदित्य अधिकारी, स्टेट बार चेयरमैन राधेलाल गुप्ता, हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल धर्मिंदर सिंह, उमेश पांडव निदेशक एमपीएसजेए, रजिस्ट्री के अधिकारी, राज्य न्यायिक अकादमी के अधिकारी मौजूद थे. उक्त आयोजन में जबलपुर और आसपास के जिलों के 600 से अधिक अधिवक्ताओं ने भाग लिया.

अधिवक्ताओं की पेशेवर तैयारी न्यायदान के लिये महत्वपूर्ण: सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा ने न्यायालयों और वादियों, दोनों की सहायता करने में अधिवक्ताओं की आवश्यक भूमिका पर प्रकाश डाला और कहा कि अधिवक्ताओं की पेशेवर तैयारी न्याय प्रदान करने को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करती है. उन्होंने सम्मेलन की सराहना करते हुए कहा कि यह वकालत कोशिल को बढ़ाने और कानूनी पेशे को मजबूत करने के लिए एक सार्थक पहल है.

सिंगाजी ताप की 4 नंबर इकाई का कीर्तिमान

सिंगाजी ताप विद्युत परियोजना की सभी इकाइयां चालू

नवभारत न्यूज खंडवा. श्री सिंगाजी ताप विद्युत परियोजना की तीन इकाइयां मांग नहीं होने के कारण लगभग 15 दिनों से ज्यादा समय से बंद थी. मांग बढ़ने पर पुनः इकाइयों को चालू कर दिया गया है जो कि पूर्ण क्षमता के साथ चल रही हैं. इस दौरान फेज-ब्लूड की यूनिट नंबर 4 को कोल्ड स्टार्ट में न्यूनतम समय में सिंक्रोनाइजेशन कर नया रिकॉर्ड बनाया है. निर्धारित 68 घंटों के स्थान पर मात्र 54.30 घंटे में यूनिट के सफल सिंक्रोनाइजेशन से

परियोजना की दक्षता और तकनीकी क्षमता का उत्कृष्ट प्रदर्शन हुआ है. इस उपलब्धि पर परियोजना के मुख्य अभियंता जेसी जुनवाल ने बताया कि ये उपलब्धि कंपनी के प्रबंध निदेशक माननीय मनजीत सिंह, सुबोध निगम (तकनीकी निदेशक), मिलिंद भांडकर (वाणिज्य निदेशक) एवं अभिषेक जैन (मुख्य अभियंता - संचा/संधा-उत्पादन) जबलपुर के कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन तथा विद्युत गृह के अधिकारियों सुभाष गुप्ता आरएस अजय वर्मा, अधीक्षण अभियंता (ऑपरेशन) - दो, आर.के.पांडे अधीक्षण अभियंता (एम एम)-दो, आर के तिवारी, अधीक्षण अभियंता (ई टी आई) शामिल हैं.

बड़ी उपलब्धि

इस उपलब्धि से ईंधन तेल की महत्वपूर्ण बचत के साथ-साथ विद्युत उत्पादन का लाभ हुआ. जिससे कंपनी को लगभग तीन करोड़ रुपये की बचत हुई. इस उल्लेखनीय प्रदर्शन पर कंपनी प्रबंधन ने टीम वर्क, बेहतर समन्वय और तकनीकी उत्कृष्टता की सराहना की है. इस विशिष्ट उपलब्धि पर उन्होंने सभी को बधाई दी है एवं धन्यवाद प्रेषित किया है और आशा व्यक्त की है कि भविष्य में भी इसी तरह हम सब पूरे समर्पण एवं दक्षता के साथ कार्य करेंगे. संबंधित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं ठेका श्रमिकों के प्रयास से ही संभव हुआ है.

सतना को मिलेगी 20 इलेक्ट्रिक बसें मिलेंगी

सतना, 15 नवंबर. प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में डीजल ईंधन से पर्यावरण को होने वाले नुकसान को रोकने के लिये सार्वजनिक परिवहन सेवा में इलेक्ट्रिक बसों को प्रोत्साहित किया जा रहा है. केन्द्रीय शहरी कार्य मंत्रालय ने प्रदेश के 8 नगर निगमों में 972 पीएम ई-बस सेवा को मंजूरी दी है. यह बसें शीघ्र संचालित हों, इसके लिये नगरीय निकायों द्वारा बस डिपो और चार्जिंग से जुड़े सभी अधोसंरचना कार्य तेजी से किये जा रहे हैं. निर्माण में बस डिपो अधोसंरचना निकायों के लिये संबंधित नगरीय निकायों को केन्द्र सरकार द्वारा 60 प्रतिशत और राज्य सरकार द्वारा 40 प्रतिशत राशि प्रदाय की जा रही है.

पार्षदों की आपसी लड़ाई से बैकफुट में आई कांग्रेस

जिला कांग्रेस कमिटी जांच करने गठित करेगी कमिटी नप की बैठक में हुए विवाद का लिया संज्ञान

सीधी 15 नवम्बर. नगर पालिका परिषद सीधी में कांग्रेसी पार्षदों की आपसी लड़ाई से कांग्रेस बैकफुट में आ चुकी है. लड़ाई से जिले की सियासत गरमा गई है. नगरपालिका परिषद सीधी की बैठक में नपा उपाध्यक्ष एवं नपा निर्माण कमिटी अध्यक्ष के बीच हुए विवाद को संज्ञान में लेकर जिला कांग्रेस कमिटी मामले की जांच करने कमिटी गठित करेगी.

पानी के बाटल युद्ध में पानी-पानी हुई कांग्रेस

नगर पालिका परिषद की बैठक में शुक्रवार की दोपहर दो कांग्रेसियों के बीच पानी के बाटल युद्ध से कांग्रेस पानी-पानी हो गई है. लोगों में चर्चा है कि नगर पालिका में कांग्रेस की सरकार है और भाजपा विपक्ष में है. विपक्ष को जो तेवर अपनाने चाहिये वह तो नजर नहीं आता लेकिन विपक्ष की पूरी भूमिका गुटों में बंटे कांग्रेस के पार्षद ही निभा रहे हैं. कांग्रेस पार्षदों के बीच बने मतभेद के चलते नगर पालिका की ओर से अहम निर्णय लेने के दौरान सहमति भी नजर नहीं आती.

नगर पालिका परिषद की बैठक में कांग्रेस के दो वरिष्ठ पार्षदों के बीच हुआ विवाद का मामला स्थानीय सोशल मीडिया में जबरदस्त ट्रोल हो रहा है. लोगों की प्रतिक्रिया भी जिस तरह से आ रही है उससे कांग्रेस की किरकिरी हो रही है. जानकारों का कहना है कि लोगों के बीच कांग्रेसियों का यह विवाद काफी चर्चा का विषय बना हुआ है. लोग यह भी कह रहे हैं कि कांग्रेस पार्षदों के बीच सामंजस्य ना होने के कारण इस तरह की स्थिति निर्मित है. इसको संज्ञान में लेकर वरिष्ठ नेताओं को हस्ताक्षेप करना चाहिये.

एक नजर में



एकलव्य मॉडल विद्यालय भवन का लोकार्पण

रतलाम, 15 नवंबर. जिले के एकलव्य आर्द्र आवासीय विद्यालय बाजना, ग्राम वीराखानद सीरातलाई में जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर सुक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री मध्य प्रदेश शासन चेतन्य काश्यप के मुख्य अतिथि में धरती आबा भगवान बिरसा मुण्डा की 150वीं जन्म जयंती का भव्य आयोजन किया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सुक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री मध्य प्रदेश शासन चेतन्य काश्यप एवं अतिथियों का भव्य स्वागत किया गया एवं पारंपरिक जनजातीय लोक नृत्य दल द्वारा अगवानी की गई. मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री श्री काश्यप का पारंपरिक पोशाक बंडी और तीर कमान भेट कर स्वागत किया गया. इस अवसर पर एकलव्य आदर्श मॉडल स्कूल बाजना के 18 करोड़ लागत से बने विद्यालय भवन का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वदुअली लोकार्पण किया गया. समारोह स्थल पर कैबिनेट मंत्री चेतन्य काश्यप सहित उपस्थित अतिथियों ने लोकार्पण पट्टिका का अनावरण किया. 18 करोड़ की लागत से विद्यालय भवन निर्मित हुआ है, जिसमें 480 विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त करेंगे.

गोपाल मंदिर में आरती का समय बदला

उज्जैन. सिंधिया ट्रस्ट के प्रसिद्ध द्वारकाधीश गोपाल मंदिर में भी ठंड के दिनों में भगवान की दिनचर्या में बदलाव किया गया है. वहीं शीत से बचाने के लिए भगवान को श्वार में अब ऊनी वस्त्र पहनाया जा रहे हैं तो भोग में मौसम के अनुरूप गरम सामग्री ही परोसी जा रही है. गोपाल मंदिर के पुजारी पवन शर्मा ने बताया कि यहाँ उत्पन्ना एकादशी पर्व से भगवान की दिनचर्या परिवर्तित होती है. परंपरा अनुसार अब प्रतिदिन भगवान को ऊनी वस्त्र धारण कराए जाएंगे तो आरतियों के समय में भी परिवर्तन कर दिया गया है. भोग में गरम दूध आदि कई तरह के ची व गुड़ से निर्मित पकवान अर्पित किए जा रहे हैं. जैसे- जैसे ठंडी बढ़ेगी गर्माहट के लिए और भी जतन किए जाएंगे. कई मंदिरों में सिंगड़ी का उपयोग भी किया जाता है. गोपाल मंदिर में अब रोज की आरती का समय कोकड़ आरती सुबह 5.30 बजे, मंगला आरती सुबह 6 बजे, राजभोग आरती सुबह 10.30 बजे और मध्याह्न शयन दोपहर 12 बजे होगा. संध्या आरती शाम 6.30 बजे और शयन आरती रात्रि 8.15 बजे से 8.30 बजे तक संपन्न की जाएगी। ठंड के अलावा इन आरतियों के समय में परिवर्तन हो जाता है.

जिनको राम से दिक्कत हो वो लाहौर जाएं

ग्वालियर, 15 नवंबर. हिन्दू एकता पद यात्रा के आठवें दिवस का कार्यक्रम भारतीय किसानों को समर्पित रहा. इस दौरान आयोजित मंचीय कार्यक्रम में बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री बागेश्वर महाराज ने संबोधित करते हुए कहा कि जिन्हें 'राम नाम', 'बंदे मातरम' और 'जय श्री राम' से समस्या है, वे अपनी सोच पर पुनः विचार करें.



ने स्पष्ट कहा कि वे मुसलमानों के विरोधी नहीं हैं, बल्कि केवल उन लोगों का विरोध करते हैं जो राम और राष्ट्र के प्रति निष्ठावान नहीं हो सकते. उन्होंने कहा कि ऐसे लोग भारत में रहते हैं, भारत का खाते हैं, लेकिन गुणगान उन लोगों का करते हैं जो राष्ट्र-विरोधी विचारों का समर्थन करते हैं. वो तुम्हारे चाचा लगते क्या? कहते हुए उन्होंने भीड़ से सवाल किया. उन्होंने आगे कहा कि कुछ हिंदू भी गीता, गंगा, संतों और सनातन संस्कृति के खिलाफ आवाज उठाते हैं. ऐसे लोगों को उन्होंने सलाह दी कि जैसा शूगर बीमारी की पुष्टि शूगर टेस्ट से होती है, ठीक वैसे ही जो हिंदुओं का विरोध करते हैं, वे अपना डीएनए टेस्ट करवाएं.

मूल नियुक्ति से वरिष्ठता मानते हुए प्रमोशन सहित लाभ दें: हाईकोर्ट

जबलपुर, 15 नवंबर. मप्र हाईकोर्ट के जस्टिस विवेक जैन एकलपीठ ने एक मामले में व्यवस्था दी है कि वरिष्ठता का पारंपरिक बिंदु मूल नियुक्ति की तिथि है, इसके अलावा और कुछ नहीं है. इस मत के साथ न्यायालय ने याचिकाकर्ता की वरिष्ठता उसकी मूल नियुक्ति करकेली से मानते हुए उसे असिस्टेंट ग्रेड-टू के पद पर प्रमोशन सहित सभी अनुशासनिक लाभ प्रदान करने निर्देश दिये हैं. इसके लिए 45 दिन की मोहलत दी है. याचिकाकर्ता शहडोल निवासी गीता प्रसाद शुक्ला की ओर से दलील दी कि याचिकाकर्ता की मूल नियुक्ति 15 मई 1987 में

करकेली शहडोल में हुई थी. याचिकाकर्ता को 1997 में सोहागपुर में स्थानांतरित किया गया और तभी से उसकी वरिष्ठता की गणना की गई. इस वजह से उससे कनिष्ठ कर्मी को प्रमोशन का लाभ दे दिया गया और याचिकाकर्ता उससे वंचित रह गया. सुनवाई के बाद न्यायालय ने पाया कि नियमानुसार वरिष्ठता की गणना मूल नियुक्ति तिथि से होनी चाहिए. एकलपीठ ने निर्देशित किया कि याचिकाकर्ता की वरिष्ठता भी करकेली से उसकी नियुक्ति की तिथि से उसकी सेवाओं की गणना करके तय की जाए. वरिष्ठता तय करने के बाद उसे प्रमोशन सहित सभी आर्थिक लाभ भी प्रदान करें.

नो-एंट्री में घुसे भारी वाहन, पुलिस ने रातभर चलाया अभियान

इंदौर. शहर की सड़कों पर नियम तोड़कर प्रवेश करने वाले भारी वाहनों पर पुलिस ने सख्त रुख अपनाते हुए 24 घंटे की कार्रवाई में कई ड्राइवरों पर जुर्माना ठोका. शहर में सुचारु और सुरक्षित यातायात बनाए रखने के लिए पुलिस कमिश्नरेंट के निर्देश पर लगातार निगरानी रखी जा रही है, जिसके तहत 14 नवंबर की सुबह से 15 नवंबर की सुबह तक नो-एंट्री क्षेत्र में प्रतिबंधित समय पर भारी वाहन लेकर घुसने वाले ड्राइवरों पर विशेष कार्रवाई की गई. टीमों ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में तैनाती कर एसे 12 वाहनों को रोककर चालानी कार्रवाई की.

महाकाल की शरण में सांसद राघव चड्ढा

उज्जैन, 15 नवंबर. राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने पवित्र श्री महाकालेश्वर मंदिर में भगवान श्री महाकालेश्वर के दर्शन कर देश-प्रदेश की खुशहाली की कामना की. दर्शन के अवसर पर मंदिर समिति की ओर से उप प्रशासक एसएन सोनी एवं सहायक प्रशासक श्री आशीष फलवाडिया ने सांसद चड्ढा का सम्मान किया.



बदलेगा शहर स्वच्छता सॉल्यूशन, वाई रैंकिंग प्रतियोगिता शुरू

देपालपुर को इंदौर बनाएगा स्वच्छता का 'मॉडल टाउन'

इंदौर, 15 नवंबर. देशभर में स्वच्छता की मिसाल बन चुका इंदौर अब अधिकृत रूप से 'महागुरु' की भूमिका में आ गया है. शासन ने देपालपुर को स्वच्छता में आदर्श नगर बनाने की जिम्मेदारी इंदौर को सौंपी है. इंदौर नगर निगम ने देपालपुर को स्वच्छता में नम्बर वन बनाने का लक्ष्य तय करते हुए अभियान की शुरुआत विजय स्तंभ चौक पर आयोजित भव्य कार्यक्रम से की. इसमें इंदौर नगर निगम के स्वच्छता प्रभारी अश्विनी शुक्ल, भाजपा जिला अध्यक्ष श्रवण चावड़ा, पूर्व जिला अध्यक्ष चिंटू



वर्मा, नगर परिषद अध्यक्ष अनिता महेश पुरी सहित बड़ी संख्या में पार्षद व नागरिक मौजूद रहे. इस अवसर पर इंदौर नगर निगम की स्वच्छता टीम ने देपालपुरवासियों को कचरा संग्रहण, सेप्रोगेशन और स्वच्छता मॉडल को विस्तृत जानकारी दी.

देपालपुर नगर परिषद को तीन नई कचरा संग्रहण गाडियां प्रदान की गईं. स्थानीय जनप्रतिनिधि विट्टू वर्मा की ओर से 7 हजार घरों के लिए 14 हजार इन्टरबीन भी समर्पित किए गए. इस अवसर पर देपालपुर के लिए विशेष स्वच्छता सॉल्यूशन किया गया, जिसके तहत 'इंदौर से सौख्य स्वच्छता का रास्ता, देपालपुर लिखेगा इतिहास नया' ने पूरे कार्यक्रम में जोश भर दिया. स्वच्छता को जनअभियान बनाने के लिए देपालपुर के सभी वार्डों में वाई रैंकिंग प्रतियोगिता शुरू की गई. इसमें विधायक द्वारा पूर्व में की गई घोषणा के अनुसार विजेता वार्ड को विकास कार्यों के लिए 11 लाख रुपये की राशि दी जाएगी. महापौर पुष्पमित्र भार्गव ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ देपालपुर के ट्रेनिंग ग्राउंड का निरीक्षण किया. उन्होंने यहां के कायाकल्प के लिए विस्तृत प्लान तैयार करने के निर्देश दिए. साथ ही स्थानीय तालाब, जहां सिंघाड़ की खेती होती है, का भी निरीक्षण किया. महापौर पुष्पमित्र भार्गव ने अपने संबोधन में कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने जब लाल किले से स्वच्छ भारत मिशन की बात कही थी, तब यह असंभव लगा था, लेकिन आज इसकी सफलता आप और हम देख रहे हैं. देपालपुर को सौचना होगा - जैसा मेरा घर है, वैसा ही मेरा नगर हो, तभी 1783 नगरों में नंबर वन बनना संभव है.

पुलिसिंग को मजबूत करने पर दिया जोर

इंदौर, 15 नवंबर. पुलिस और आमजन के बीच समन्वय को और मजबूत बनाने तथा सामुदायिक पुलिसिंग को व्यापक स्तर पर आगे बढ़ाने के लिए पुलिस कमिश्नर कार्यालय में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई. बैठक की अध्यक्षता पुलिस मुख्यालय भोपाल से आए उप पुलिस महानिरीक्षक (सामुदायिक पुलिसिंग) विनोद कपूर ने की.

पुलिस मुख्यालय के निर्देशों के तहत आयोजित इस बैठक में इंदौर पुलिस द्वारा सामुदायिक पुलिसिंग के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों और नई योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई. पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित बैठक में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अमित कुमार सिंह, डीसीपी प्रकाश परिहार, सीमा अलावा, राजेश दंडोतिया, संध्या राय, प्रियंका डुड्डे उपस्थित रहे.

इन पहलों से नागरिकों की भागीदारी बढ़ी है और अपराध नियंत्रण में सकारात्मक प्रभाव दिखाई दे रहे हैं. डीआईजी ने इंदौर पुलिस की पहल की सराहना करते हुए कहा कि सेफ विलक, नशे से दूरी है जरूरी, सुजन जैसे अभियान समाज में प्रभावी जनजागरूकता पैदा कर रहे हैं. उन्होंने सुझाव दिया कि प्रयासों को और व्यापक स्तर पर ले जाकर सामाजिक संगठनों, शिक्षित नागरिकों और जिम्मेदार समूहों को जोड़ने से परिणाम बेहतर होंगे. पुलिस समाज का ही हिस्सा है और नागरिक सहभागिता बढ़ने से अपराध नियंत्रण के साथ सामाजिक जागरूकता मजबूत होती है.